श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

द्वितीय वर्ष - अभ्यास - २

जुलाई - २०२५
गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगे, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. चार से बारह वें गुणस्थानक में रहे सम्यकदृष्टि जीवो को .... संज्ञा होती है ।
२. एक कील के लिये पूरे..................... को तोडने की मूर्खता मैने की है ।
३. तीर्थंकर परमात्मा भव्य जीवो के एकांत कल्याण हेतु.................. की स्थापना करते है ।
४. मंत्राक्षरो का बारम्बार रटन, उच्चारण या स्मरण..................... कहलाता है ।
५. विज्ञानधन यानि........................ और दर्शन का जो उपयोग वो विज्ञान कहलाता है ।
६. .... यानि अकारादि हकार पर्यंत बावन अक्षर का मुख से उच्चारण करना ।
७. छोटे-बडे शाश्वत................... से परिपूर्ण होने से इस द्वीप का नाम जंबूद्वीप है ।
८. मैं..................... करुंगी नहीं, करवाऊंगी नहीं, इसकी सलाह दूंगी नहीं ।
९. .... का स्मरण परलोक में सुख और सद्गति देता है ।
१०. सिद्धाचल की छःगांव की यात्रा........................ को होती है ।
११. शब्द सुनकर या लिखा हुआ पढकर जो अर्थबोध होता है उसे................... कहा जाता है ।
१२. इन्द्रभूति गौतम....................... शिष्यो सहित वीरप्रभु के विनीत शिष्य बने ।
१३. नवकारमंत्र के प्रभाव से..................... स्वर्णमय बन गया ।
१४. यह गुड है या शक्कर (खांड) है ऐसी विचारणा वह....................... ।
१५. ध्यान में ले जाने की पूर्वतैयारी.................. द्वारा होती है ।
१६. अभव्य के आधार पर श्रुत....................... है ।
१७. आत्मा के अनंत गुणों में..................... मुख्य है ।
१८. .... के लिये तीन संध्या का समय श्रेष्ठ माना गया है ।
१९. इंद्रियों की सहायता से जो हो वो..................... ज्ञान ।
२०. ....छठ्ठ के पारणे छठ्ठ की तपश्चर्या उन्होंने की है ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. दृष्टिबाद में समान पाठ अथवा आलावा आता है, उसे क्या कहा जाता है ?
२. शांब एवं प्रद्युम्न ने गिरिराज के कौनसे शिखर उपर सिद्धि पद को प्राप्त किया ?
३. कौनसा सूत्र सर्व धर्मो को मान्य है ?
४. जंबूद्वीप के अधिष्ठायक देव कहां निवास करते है ?
५. जयणा को ज्यादा से ज्यादा जीवन में ले आने वाला व्रत कौनसा ?
६. अजित-शांति स्तव की रचना किसने की ?
७. शिखरी पर्वत कहां पर आया है ?
८. सम्यग्दृष्टि के पास रहा हुआ श्रुत वो कौनसा श्रुत कहलाता है ?
९. तीन 'दकार' कौनसे है ?
१०. जप का 'ज' अक्षर किसका सूचक है ?
११. किसके नाम का कीर्तन सुख का प्रवर्तन करने वाला है ?
१२. विकलेन्द्रिय को कौनसी संज्ञा होती है ?
१३. व्यंजनावग्रह किसे नहीं होता ?
१४. मंत्र जप करनेवाले व्यक्ति का लक्ष्य क्या होना चाहिये ?
१५. शाखा पर देवालय कहां आया है ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१. कित्तणं २) लक्खे ३) सन्नि ४) मरु ५) निरुवम ६) कारो ७) परतप्तिषु ८) भेअं ९) संत्ति १०) अत्थुगगह ११) भरहे

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) भरतक्षेत्र	१) व्यसन	६) अपाय	६) अधिष्ठायक देव
२) मिथ्याश्रुत	२) धर्म का प्रकार	७) इन्द्रभूति गौतम	७) संज्ञा
३) दीर्घकालिकी	३) मंत्रजाप	८) सुख-दुःख का वेदन	८) मतिज्ञान
४) शिवकुमार	४) वेदनीय कर्म	९) सुखासन	९) श्रुतज्ञान
५) अनाद्रुत	५) लब्धि भंडार	१०) शील	१०) निषध पर्वत

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. इन्द्रभूति गौतम का चारित्र पर्याय कितना था ?
२. सिद्धाचल के कितने खमासमणे होते है ?
३. मतिज्ञान में इहा के कितने भेद है ?
४. नवकार के एक पद के स्मरण से कितने सागरोपम के पाप नाश पाते है ।
५. भ. महावीर और गौतमस्वामी के निर्वाण के बीच कितने वर्ष का फर्क था ?
६. कितने नवकार गिनने से श्रावक तीसरे भव में मोक्षपद प्राप्त करता है ?
७. भरतक्षेत्र की चौडाई कितनी है ?
८. हरिवर्ष में कितने खंड है ?
९. अन्नपान करने में कितने काय की विराधना होती है ?
१०. जंबूवृक्ष की डाली (शाखा) कितने योजन की होती है ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. समकित प्राप्ति पहले के व्रत अणुव्रत कहलाते है ।
२. मन में चिंतन किये हुए अर्थ को जानना वो मनः पर्यवज्ञान है ।
३. सर्व भय को जीतने वाले ऐसे शांतिनाथ भगवान है ।
४. अंतराय कर्म में जीव को रति अरति और रागद्वेष होता है ।
५. गौतमस्वामी जिसे दीक्षा देते उन्हें केवलज्ञान होता था ।
६. जंबूद्वीप के बीच में महाविदेह क्षेत्र है ।
७. श्रावक को बीस विश्वा की जीवदया होती है ।
८. भाष्य जाप सूक्ष्म है ।
९. शत्रुंजयतीर्थ पर श्रीनमिनाथ तथा श्रीनेमिनाथ भगवान की डेरियां एक दूसरे के सामने थी ।
१०. यह तो डोरी नहीं सांप ही है, ऐसा निश्चय वो चक्षुरिन्द्रिय इहा है ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. यह कृष्ण नहीं है, कृष्ण तो श्याम वर्ण के है ।
२. नीचे गिरी हुई नीम की काडी सिर्फ ले तो भी "अणुजाणह जस्सगो" ऐसा कहकर लेते है ।
३. दान के सर्व प्रकारों में अभयदान श्रेष्ठ है ।
४. मन के विचारो के शुद्धीकरण में उसका बडा हिस्सा है ।
५. सिद्ध, बुद्ध, मुक्त, निरंजन, निराकार बन गये ।
६. आपके नाम का कीर्तन धीरज और बुद्धि के प्रवर्तन को करने वाला है ।
७. जप यह जन्म और पाप दोनों का विनाश करने वाला है ।
८. तीन जगत में प्रसिद्ध ऐसे मेरे नाम कों कौन नहीं जानता ?
९. नवकार मंत्र तुम्हारा रक्षण करेगा ।
१०. सर्व जीवो के साथ अखंड मैत्री साधने की है ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. सादि श्रुतज्ञान २) मंत्रजाप के प्रकार कितने ? उपांशु जाप समजाइये ।
३. इन्द्रभूति गौतम की शंका का श्रीवीरप्रभु द्वारा किया गया समाधान। ४) महाजंबू वृक्ष
५. नवकारमंत्र से परलोक में सद्गति और समृद्धि, उदाहरण के साथ समझाइये ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com